1.6 करोड़ पाठकों के विश्व

दैनिक भास्कर

फुरसत

7 | छुट्टी में लंदन सबसे अच्छा लगता है

रविवार

मधुरिमा प्लस

स्टार शेफ बनाएंगे क्रेजी शेफ को सितारा | 8

www.bhaskar.com भोपाल | रविवार 3 अगस्त, 2003 | श्रावण शुक्ल 5-6, 2060

ऐसे भी बंटता है दर्द

अबरार खान

भोपाल, 2 अगस्त।

मुकेश लालजी (35) आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। समाज सेवा को समर्पित यह नाम मजदूरों और गरीब तबकों के लिए किसी मसीहा से कम नहीं है। मजदूर बेबस लोगों को भोजन, कपड़े और जरूरत की अन्य चीजें बांटते मुकेश लालजी को आज 7 वर्ष हो चुके हैं। [illegible] रविवार को भोजन के पैकेट, कपड़े और हमीदिया अस्पताल में कॉर्पोरेटर श्री अरुण माथुर के साथ वे निकल पड़ते हैं उन स्थानों पर जहां मजदूर काम कर रहे होते हैं। यहां उनका स्वास्थ्य परीक्षण कर श्री लालजी उन्हें भोजन और जरूरी दवाइयां देते हैं। ऐसे समय उनकी 8 वर्षीय पुत्री पवित्रा भी उनके साथ रहती है। उनका कहना है कि नन्ही पुत्री को वह इसलिए साथ रखते हैं ताकि वह भी समाज सेवा का अर्थ समझ सके।

समाज सेवा के प्रति उनका लगाव पैदा होना भी अपने आप में दिलचस्प है। बहुत छोटी-छोटी चीजें कई बार जिंदगी की दिशा बदलती हैं। मुकेश लालजी के साथ भी ऐसा ही हुआ। श्री लालजी बताते हैं एक दिन उनकी गाड़ी रास्ते में खराब हो गई। कई परिचित वहां से निकले पर बहाना बना कर चले गए। तब कुछ गरीब मजदूरों ने गाड़ी धकेलकर गैरेज तक पहुंचाई थी। बस इस एक छोटी सी बात ने उनके जीवन की दिशा बदल दी।

मजदूरों को खाने के पैकेट बांटते लालजी।

श्री लालजी समाज में फैली बेरोजगारी को लेकर भी चिंतित हैं। इसलिए उन्होंने मध्यप्रदेश सामुदायिक विकास परिषद के सहयोग से गरीब महिलाओं और बेरोजगारों को स्वरोजगार का प्रशिक्षण दे उन्हें लोन दिलाकर उनको आर्थिक मदद कर आत्मनिर्भर बनाने का सार्थक प्रयास कर रहे हैं।